



मध्यप्रदेश होम्योपैथी परिषद  
(रजिस्टर का प्रकाशन तथा  
अपील) नियम, 2000 मध्यप्रदेश  
राजपत्र (असाधारण) प्रकाशन  
दिनांक 12 दिसम्बर, 2000

(हिन्दी एवं अंग्रेजी)

डाक-व्यय की पूर्व-अदायगी के  
बिना डाक द्वारा भेजे जाने के लिए  
अनुमत. अनुमति-पत्र क्र. भोपाल-  
एम. पी. 2-डब्ल्यू-पी/505/2000.



पंजी क्रमांक भोपाल डिवीजन  
एम. पी. 108/भोपाल/2000.

# मध्यप्रदेश राजपत्र

## (असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 736]

भोपाल, मंगलवार, दिनांक 12 दिसम्बर 2000—अग्रहायण 21 शक 1922

चिकित्सा शिक्षा विभाग

मंत्रालय, बल्लभ भवन

भोपाल, दिनांक 11 दिसम्बर 2000

क्र. एफ 16-84-98-पचपन-चिंशि-2.—मध्यप्रदेश होम्योपैथी परिषद अधिनियम, 1976 (क्रमांक 19 सन् 1976) की धारा 21, 22, 26 तथा 48 के साथ पठित धारा 51 की उपधारा (2) के खंड (ट) (ठ) (ण) तथा (थ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

नियम

अध्याय एक—प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम.—इन नियमों का संक्षिप्त नाम मध्यप्रदेश होमियोपैथी परिषद (रजिस्टर का प्रकाशन तथा अपील) नियम, 2000 है.
2. परिभाषाएं.—इन नियमों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—
  - (क) "अधिनियम" से अभिप्रेत है, मध्यप्रदेश होमियोपैथी परिषद अधिनियम, 1976 (क्रमांक 19 सन् 1976) ;
  - (ख) "परिशिष्ट" से अभिप्रेत है इन नियमों से संलग्न परिशिष्ट;
  - (ग) "प्ररूप" से अभिप्रेत है, इन नियमों से संलग्न प्ररूप ;
  - (च) "धारा" से अभिप्रेत है अधिनियम की धारा ;
  - (ङ) "अनुसूची" से अभिप्रेत है, अधिनियम तथा होमियोपैथी केन्द्रीय परिषद अधिनियम, 1973 से संलग्न अनुसूची;
  - (घ) "वर्ष" से अभिप्रेत है कलेण्डर वर्ष.

अध्याय दो—रजिस्ट्रीकरण

3. होमियोपैथी के राज्य रजिस्टर.—धारा 21 के अधीन रजिस्टर प्ररूप "क" तथा "ख" में रखे जायेंगे;—
- (1) धारा 22 की उपधारा (1) के अधीन रजिस्टर प्ररूप "क" में उन व्यक्तियों के लिये होगा जो अधिनियम की अनुसूची में वर्णित अर्हता रखते हो;
  - (2) धारा 22 की उपधारा (2) के अधीन रजिस्टर प्ररूप "ख" में उन व्यक्तियों के लिए होगा, जो मध्यप्रदेश होमियोपैथी परिषद् अधिनियम, 1976 द्वारा निरसित मध्यप्रदेश होमियोपैथिक तथा बायोकेमिक प्रेक्टिशनर परिषद् अधिनियम, 1951 की धारा 16(2) के अधीन नामांकित किए गए थे और जो मध्यप्रदेश होमियोपैथी परिषद् (रजिस्टर का प्रकाशन तथा अपील) नियम, 1976 के नियम 3 (1) के अधीन रखे गए रजिस्टर में प्रविष्ट थे;
  - (3) धारा 24 के अधीन रजिस्टर प्ररूप "ग" में उन व्यक्तियों के लिए होगा, जिनके लिए अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण करने हेतु मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों में विनिर्दिष्ट कालावधि के लिये प्रशिक्षण लेना अपेक्षित है.
  - (4) मध्यप्रदेश होमियोपैथी परिषद् (रजिस्टर का प्रकाशन तथा अपील) नियम, 1976 के अधीन रखे गये रजिस्टर में प्रविष्ट व्यक्तियों के नये रजिस्ट्रीकरण क्रमांक प्ररूप "क" तथा "ख" में संबंधित रजिस्ट्रों में अनुपूर्व क्रम में आवंटित किए जायेगा और रजिस्ट्रीकरण का प्रमाण-पत्र प्ररूप "घ" में जारी किया जाएगा;
  - (5) रजिस्टर का प्रत्येक पृष्ठ रजिस्ट्रार द्वारा सत्यापित तथा हस्ताक्षरित किया जाएगा.

4. सत्यापन तथा नवीकरण.—(1) रजिस्ट्रार, प्रत्येक पांच वर्ष के पश्चात् राज्य होमियोपैथी रजिस्टर का सत्यापन करेगा और ऐसे समस्त व्यवसायियों को जिनका नामांकन अधिनियम की धारा 22 के अधीन इन नियमों के प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष से पूर्व का हो, नवीकरण के लिए सूचना राज्य के कम से कम दो समाचार पत्रों में अधिसूचना के माध्यम से देगा और प्ररूप "ड" में आवेदन के साथ एक सूचना पत्र भेजेगा.

(2) प्रत्येक व्यक्ति, एक वर्ष के भीतर या इन नियमों के प्रकाशन के पश्चात् प्रथम बार परिषद् द्वारा नियत किसी अन्य तारीख को और नवीकरण के पांच वर्ष की समाप्ति से 180 दिन के भीतर उसके रजिस्ट्रीकरण के प्रमाण-पत्र के साथ प्ररूप "ड" में आवेदन करेगा तथा परिशिष्ट में यथा विनिर्दिष्ट फीस का भुगतान करेगा.

(3) इन नियमों के अधीन देय रजिस्ट्रीकरण फीस और अन्य फीस ऐसी होगी जैसी कि परिशिष्ट में विनिर्दिष्ट की जाए.

(4) प्रत्येक नवीकृत रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र पृष्ठांकित किया जाएगा और उसकी तत्स्थानी प्रविष्टि होमियोपैथी के राज्य रजिस्टर में की जाएगी, जो रजिस्ट्रार द्वारा अनुप्रमाणित और हस्ताक्षरित की जाएगी. प्रविष्टि के सत्यापन के पश्चात् प्ररूप "घ" में प्रमाण-पत्र संबंधित व्यक्ति को रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजा जाएगा.

(5) यदि कोई व्यक्ति उपनियम (2) के अनुसार परिशिष्ट में यथाविनिर्दिष्ट फीस के साथ आवेदन करने में असफल रहता है तो अधिनियम की धारा 22 के अधीन उसका रजिस्ट्रीकरण रद्द कर दिया जाएगा. वह परिशिष्ट में यथा-विनिर्दिष्ट फीस का भुगतान करने के पश्चात् प्ररूप "च" में अपने नाम के प्रत्यावर्तन के लिए आवेदन कर सकेगा.

5. रजिस्टर का प्रकाशन.—(1) रजिस्ट्रार प्रत्येक पांच वर्ष में रजिस्टर पुनरीक्षित करेगा और उसमें निम्नलिखित की प्रविष्टि करेगा :—

(क) पहले से रजिस्ट्रीकृत व्यवसायियों की संख्या;

(ख) रजिस्टर के पुनरीक्षण के पूर्ववर्ती पांच वर्ष की कालावधि के दौरान रजिस्ट्रीकृत व्यवसायियों की संख्या;

(ग) उन व्यवसायियों की संख्या, जिनके नाम रजिस्ट्रार के पुनरीक्षण के पूर्ववर्ती पांच वर्ष की कालावधि के दौरान रजिस्टर से हटाये गए हैं;

(घ) उन व्यवसायियों की संख्या जिनके नाम रजिस्ट्रार के पुनरीक्षण के पूर्ववर्ती पांच वर्ष की कालावधि के दौरान रजिस्ट्रार में प्रत्यावर्तित किए गए हैं; और

(ड) उन व्यवसायियों की संख्या, जिनके नाम, रजिस्ट्रार के पुनरीक्षण के पूर्ववर्ती पांच वर्ष की कालावधि के दौरान मृत्यु के कारण हटायें गए हैं।

(2) रजिस्ट्रार के पुनरीक्षण के पूर्ववर्ती पांच वर्ष की कालावधि के पूर्ण होने के पश्चात् 180 दिन के भीतर पुनरीक्षित रजिस्ट्रार मध्यप्रदेश राजपत्र में प्रकाशित किया जाएगा और पुनरीक्षण से प्रतिकूलतः प्रभावित रजिस्ट्रीकृत व्यवसायियों (प्रेक्टिशनर्स) को, उन पर प्रतिकूल प्रभाव के संबंध में रजिस्ट्रीकृत द्युक्त द्वारा सूचित किया जाएगा।

(3) इस प्रकार प्रकाशित यथास्थिति नियम 3 के अनुसार रजिस्ट्रार या पुनरीक्षित रजिस्ट्रार की एक प्रति परिषद के सूचना पटल पर लगायी जाएगी।

(4) रजिस्ट्रार की मुद्रित प्रतियां परिषद द्वारा विनिश्चित की गई कीमत पर विक्रय के लिए उपलब्ध कराई जाएंगी।

(5) रजिस्ट्रार, प्रत्येक वर्ष के दौरान की गई, परिवर्तित की गई या मिटाई गई समस्त प्रविष्टियों को सत्यापित और अधिप्रमाणित करेगा।

6. रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन पत्र तथा फीस.— धारा 22 की उपधारा (1) के अधीन प्रविष्टि के लिये आवेदन-पत्र प्ररूप "च" में होगा और उसके साथ परिशिष्ट में यथा विनिर्दिष्ट फीस के भुगतान की रसीद और किसी मजिस्ट्रेट या किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा सम्यक् रूप से अनुप्रमाणित मान्यता प्राप्त अर्हता के प्रमाण-पत्र की एक सत्यप्रतिलिपि होगी। आवेदक, अपने आवेदन-पत्र के समर्थन में ऐसे अन्य प्रमाण-पत्रों और दस्तावेजों की अनुप्रमाणित प्रतिलिपियां भी संलग्न कर सकेगा। रजिस्ट्रार, सत्यापन के लिए आवेदक से अन्य मूल प्रमाण-पत्र/दस्तावेज देने का अपेक्षा कर सकेगा।

7. अनंतिम रजिस्ट्रीकरण.— (1) किसी अभ्यर्थी को, अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात्, प्रशिक्षण लेने के लिए तब तक अनुज्ञात नहीं किया जाएगा जब तक कि उसने उस मान्यता प्राप्त संस्था के, जिसमें आवेदक को प्रशिक्षण लेने के लिये कहा गया है, प्राचार्य के माध्यम से प्ररूप "छ" में आवेदन न कर दिया हो और अनंतिम रजिस्ट्रीकरण के लिए फीस का भुगतान न कर दिया हो।

(2) अधिनियम की धारा 24 के अधीन मंजूर किया गया अनंतिम रजिस्ट्रीकरण परिषद/विश्वविद्यालय द्वारा सफल अभ्यर्थी को डिप्लोमा/डिग्री प्रदान किये जाने की उस तारीख से ऐसी कालावधि के लिए प्रवृत्त रहेगा जो छह मास से अधिक न हो।

(3) वे व्यवसायी जिन्हें प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात् प्ररूप "ज" में अनंतिम रजिस्ट्रीकरण मंजूर किया गया है अपना डिप्लोमा/डिग्री अधिप्राप्त करेगा तथा अधिनियम की धारा 22 के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए उपनियम (2) के अधीन नियत किए गए छह मास के भीतर उसको सम्यक् रूप से अनुप्रमाणित प्रति रजिस्ट्रार को प्रस्तुत करेगा।

(4) यदि कोई व्यक्ति उप नियम (3) के अधीन उसमें विहित समय के भीतर आवेदन करने में असफल रहता है तो वह अधिनियम की धारा 24 के खण्ड (क) या (ख) के अधीन रजिस्ट्रीकृत नहीं रहेगा और उसका नाम राज्य रजिस्ट्रार से हटा दिया जाएगा। अपने नाम के पुनः रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने पर वह परिशिष्ट में यथाविनिर्दिष्ट विलंब फीस का भुगतान करने के लिये दायी होगा।

8. अर्हता का जोड़ा जाना.— कोई भी व्यक्ति, जो अपने नाम के सामने अतिरिक्त अर्हता की प्रविष्टि करने की सूचना देता है वह प्रमाण-पत्र के साथ आवेदन कर सकेगा और परिशिष्ट में यथा विनिर्दिष्ट फीस का भुगतान करेगा।

9. रजिस्ट्रीकरण की दूसरी प्रति.— रजिस्ट्रार को रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र की दूसरी प्रति के लिए आवेदन, दूसरी प्रति अधिप्राप्त करने का कारण दर्शाते हुए शपथ-पत्र के साथ प्रस्तुत किया जाएगा और परिशिष्ट में यथा विनिर्दिष्ट फीस का भुगतान किया जाएगा।

10. नाम या उपनाम का परिवर्तन.— कोई व्यवसायी (प्रेक्टिशनर) जो अपना नाम या उपनाम अथवा पता परिवर्तित करना चाहता है तो वह रजिस्ट्रार को ऐसे परिवर्तन के लिए सबूत के साथ, एक आवेदन करेगा तथा परिशिष्ट में यथाविनिर्दिष्ट फीस का भुगतान करेगा। रजिस्ट्रार प्रविष्टि में परिवर्तन करेगा तथा आवेदक को लिखित में सूचित करेगा।

11. रजिस्ट्रीकरण का प्रमाण-पत्र.— धारा 22 की उपधारा (2) के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र प्ररूप "घ" में होगा तथा धारा 24 के अधीन रजिस्ट्रीकरण का अनंतिम प्रमाण-पत्र प्ररूप "ज" में होगा।

12. राज्य से बाहर सत्यापन.— यदि कोई व्यक्ति जो मध्यप्रदेश राज्य से भिन्न किसी अन्य राज्य से मान्यता प्राप्त अर्हता रखता है, यदि परिषद को रजिस्ट्रीकरण के लिये आवेदन करता है तो वह सत्यापन के लिए विहित फीस का भुगतान करने के लिए दायी होगा। यदि परिषद से रजिस्ट्रीकरण मंजूर करने के लिए अन्य परिषद/बोर्ड से सत्यापन के लिए कहा जाता है तो रजिस्ट्रार परिशिष्ट में यथा विनिर्दिष्ट फीस की प्राप्ति के पश्चात् ऐसे मामलों का सत्यापन करेगा।

13. फीस के भुगतान की रीति.— इन नियमों के अधीन भुगतान किए जाने के लिए अपेक्षित फीस का भुगतान नगद/ मनीआर्डर या रजिस्ट्रार को देय बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से किया जाएगा।

अध्याय तीन— अपीलें

14. अपील का ज्ञापन.— अधिनियम की धारा 48 के अधीन प्रत्येक अपील;—

- (क) उस आदेश की, जिसके विरुद्ध अपील फाइल की जाना है, संसूचना की तारीख से पैंतालीस दिन के भीतर फाइल की जाएगी;
- (ख) परिशिष्ट में विनिर्दिष्ट फीस के भुगतान के समाधानप्रद सबूत के साथ होगी;
- (ग) लिखित में की जाएगी ;
- (घ) में आवेदक का नाम तथा पता विनिर्दिष्ट होगा;
- (ङ) में उस आदेश की, जिसके विरुद्ध अपील फाइल की जानी है, तारीख विनिर्दिष्ट की जाएगी.
- (च) में वह तारीख विनिर्दिष्ट की जाएगी जिस पर अपीलार्थी को आदेश की संसूचना दी गई थी;
- (छ) के साथ तथ्यों का विवरण संलग्न होगा;
- (ज) में प्रार्थित अनुतोष प्रमिततः कथित किया जाएगा; और
- (झ) अपीलार्थी या उसके द्वारा इस निमित्त लिखित में सम्यक् रूप से प्राधिकृत किसी अभिकर्ता द्वारा निम्नलिखित प्ररूप में हस्ताक्षरित तथा सत्यापित की जाएगी, अर्थात् :—

“ मैं ..... उपर्युक्त अपील के ज्ञापन में नामांकित अपीलार्थी, एतद्द्वारा यह घोषणा करता हूँ कि इसमें जो कथित किया गया है वह मेरे सर्वोत्तम ज्ञान तथा विश्वास के अनुसार सत्य है.”

हस्ताक्षर.

(2) अपील के ज्ञापन के साथ उस आदेश की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, अधिप्रमाणित प्रति होगी, ऐसे मामले में, जब तक कि अपीलार्थी अपील प्रस्तुत करते समय अपील प्राधिकारी का वह समाधान न कर दें कि चूक के लिए पर्याप्त कारण है, वह ऐसे समय के भीतर फाइल की जाएगी, जैसा कि उक्त प्राधिकारी द्वारा नियत किया जाए.

(3) अपील का ज्ञापन दो प्रतियों में होगा तथा वह अपील प्राधिकारी को या तो अपीलार्थी या उसके अभिकर्ता द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा. उक्त प्राधिकारी को रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजा जाएगा. जब अपील अपीलार्थी द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत अभिकर्ता द्वारा प्रस्तुत की जाए तो उसके साथ उसे इस प्रकार नियुक्त करने वाला सम्यक् रूप से स्थापित प्राधिकार पत्र होगा.

15. अपील का संक्षेपतः नामंजूर किया जाना.— (1) यदि अपील का ज्ञापन नियम 14 की समस्त अपेक्षाओं या उनमें से किसी अपेक्षा का अनुपालन नहीं करता है तो अपील संक्षेपतः नामंजूर की जा सकेगी :

परन्तु इस उपनियम के अधीन कोई अपील तब तक संक्षेपतः नामंजूर नहीं की जाएगी जब तक कि अपीलार्थी को अपील के ऐसे ज्ञापन में संशोधन करने का ऐसा अवसर, जैसा कि अपील प्राधिकारी उचित समझे, न दे दिया जाए जिससे कि उसे नियम की अपेक्षाओं के अनुरूप लाया जा सके.

(2) कोई अपील किन्हीं अन्य आधारों पर भी संक्षेपतः नामंजूर की जा सकेगी जिसे अपील प्राधिकारी द्वारा लेखबद्ध किया जाएगा :

परन्तु इस उपनियम के अधीन किसी अपील को संक्षेपतः नामंजूर करने वाला आदेश पारित किए जाने के पूर्व, अपीलार्थी को सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर दिया जाएगा.

16. अपील की सुनवाई.— (1) यदि अपील प्राधिकारी अपील संक्षेपतः नामंजूर नहीं करता है तो वह अपीलार्थी या उसके द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत अभिकर्ता को सुनवाई के लिए तारीख नियत करेगा.

(2) उक्त प्राधिकारी किसी भी प्रक्रम पर अपील की सुनवाई किसी अन्य तारीख के लिए स्थगित कर सकेगा.

(3) यदि सुनवाई के लिए नियत की गई तारीख को या किसी अन्य तारीख, को, जिस तक सुनवाई स्थगित की गई है, अपीलार्थी या तो व्यक्ति: या अपीलार्थी द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत किसी अभिकर्ता के माध्यम से उक्त प्राधिकारी के समक्ष उपस्थित नहीं होता है तो उक्त प्राधिकारी, अपील को खारिज कर सकेगा या एकपक्षीय विनिश्चय कर सकेगा, जैसा कि वह उचित समझे।

(4) जब उपनियम (3) के अधीन अपील खारिज कर दी जाए या एकपक्षीय विनिश्चय किया जाए तब अपीलार्थी, ऐसे आदेश की संभूचना की तारीख से 60 दिन के भीतर अपील अधिकारी को अपील के पुनःग्रहण या पुनः सुनवाई के लिए आवेदन कर सकेगा तथा यदि अपील प्राधिकारी का यह समाधान हो जाए कि अपील की सुनवाई के लिए पुकारे जाने पर अपीलार्थी या उसके द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत अभिकर्ता को तब उसे उपस्थित होने से पर्याप्त कारणों से रोका गया था, वह अपील को ऐसे निबंधनों जिसमें खर्च संबंधी निबंधन सम्मिलित है तथा शर्तों पर, जैसा वह उचित समझे, पुनः ग्रहण या पुनः सुनवाई कर सकेगा।

17. अपील में पारित किये गये आदेश की प्रति का प्रदाय.—अपील में पारित किये गये आदेश की एक प्रति निःशुल्क प्रदाय की जाएगी तथा दूसरी प्रति उस अधिकारी को भेजी जाएगी जिसके आदेश से अपील की विषयवस्तु तैयार हुई हो।

18. परिषद इन नियमों से संलग्न प्ररूपों में, यदि अपेक्षित हो, सुधार कर सकेगी,

19. निरसन तथा व्यावृत्ति.—इन नियमों के प्रारंभ होने के ठीक पूर्व प्रवृत्त इन नियमों के तत्स्थानी समस्त नियम एतद्वारा निरस्त किये जाते हैं :

परन्तु रजिस्ट्रीकरण के लिए कोई आवेदन या तो धारा 22 या धारा 24 के अधीन पूर्ण है और फीस जमा कर दी गई है किन्तु इस प्रकार निरसित नियमों के अधीन रजिस्ट्रीकरण मंजूर किए जाने के लिए लंबित है तो यह समझा जाएगा कि वह इन नियमों के तत्स्थानी उपबंधों के अधीन किया गया है।

प्ररूप "क"

[नियम 3 (1) देखिए]

राज्य होमियोपैथी रजिस्टर

अनु क्र.	पिता/पति के नाम सहित नाम	जन्म तारीख	निवास तथा व्यवसाय का स्थान	शैक्षणिक तथा चिकित्सीय अर्हता	उत्तीण करने का वर्ष	विश्वविद्यालय/ बोर्ड का नाम जहां से अर्हता प्राप्त की
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
रजिस्ट्रीकरण क्रमांक तथा तारीख	नवीकरण की तारीख	नाम हटाये जाने के कारण तारीख तथा नियम जिसके अधीन हटाया गया है	पुनः प्रविष्टि की तारीख	रजिस्ट्रार के हस्ताक्षर	अतिरिक्त अर्हता तथा तारीख	टिप्पणियां
(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)

## प्ररूप "ख"

[नियम 3 (2) देखिए]

अनु क्र.	पिता/पति के नाम सहित	जन्म तारीख	निवास का पता	शैक्षणिक तथा चिकित्सीय अर्हता	रजिस्ट्रीकरण क्रमांक तथा तारीख	धारा 22(2) के अधीन में पुनः प्रविष्टि तथा तारीख	निरसित नियमों के अधीन रजिस्ट्रीकरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)

रजिस्ट्रीकरण क्रमांक तथा तारीख	नवीकरण की तारीख	नाम हटाये जाने का कारण तारीख तथा नियम जिसके अधीन हटाया गया है.	पुनः प्रविष्टि की तारीख	रजिस्ट्रार के हस्ताक्षर	अतिरिक्त अर्हता तथा तारीख	टिप्पणियां
(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)

## प्ररूप "ग"

[नियम 3 (3) देखिए]

अनु क्र.	पिता/पति के नाम सहित नाम	जन्म तारीख	निवास का पता	शैक्षणिक तथा चिकित्सीय अर्हता	उत्तीर्ण होने का वर्ष	संस्था का नाम
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)

उस बोर्ड या विश्वविद्यालय का नाम, जहां से चिकित्सीय अर्हता उत्तीर्ण की है.	अंतिम रजिस्ट्रीकरण क्रमांक	वह तारीख जिस पर इंटरशिप पूर्ण की है.	धारा 22 के अधीन रजिस्ट्रीकरण	वह तारीख जिसको डिप्लोमा/डिग्री जारी की गई	टिप्पणियां	रजिस्ट्रार के हस्ताक्षर
(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)

परिशिष्ट

[नियम 4 (3) देखिए]

रजिस्ट्रीकरण तथा अन्य मामलों के लिए परिषद को देय फीस

अनु क्र. (1)	विशिष्टियां (2)	फीस की दर (3)	नियम क्रमांक (4)
1.	नवीकरण फीस	रु. 300/-	4 (ख)
2.	नवीकरण विलंब फीस	रु. 50/-	4 (ड)
		प्रतिमास अधिकतम	
		रु. 300/- के अध्वधीन	
3.	धारा 22 के अधीन रजिस्ट्रीकरण फीस	रु. 1500/-	6
4.	धारा 24 के अधीन रजिस्ट्रीकरण फीस	रु. 1000/-	7(1)
5.	धारा 24 से धारा 22 के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए विलंब फीस	रु. 100/-	7(4)
		प्रतिमास रु. 500/- के अध्वधीन	
6.	अर्हता की अतिरिक्त प्रविष्ट के लिए फीस	रु. 300/-	8
7.	रजिस्ट्रीकरण की द्वितीय प्रति के लिए फीस	रु. 500/-	9
8.	उपनाम या पते के परिवर्तन के लिए फीस	रु. 200/-	10
9.	सत्यापन फीस	रु. 500/-	12
10.	अपील फीस	रु. 100/-	14 (ख)

टिप्पणी.—विहित फीस, डाक प्रभार को अपवर्जित करके हैं जो परिषद् द्वारा कहे जाने पर पृथक् से देव होंगे.

प्ररूप "घ"

[नियम 3 (4) देखिए]

राज्य होम्योपैथी परिषद्, मध्यप्रदेश

मुद्रा

पास पोर्ट  
फोटो

रजिस्ट्रीकरण-प्रमाण पत्र

रजिस्ट्रीकरण क्रमांक .....

तारीख .....

प्रमाण-पत्र दिया जाता है कि श्री/कु. श्रीमती ..... निवासी .....  
पुत्र/पुत्री/पत्नी/पति ..... जिला ..... मध्यप्रदेश को, मध्यप्रदेश होमियोपैथी परिषद् अधिनियम, 1976 की धारा 22 के अधीन रजिस्ट्रीकृत  
होमियोपैथिक चिकित्सा व्यवसायी के रूप में सम्पक् रूप से रजिस्ट्रीकृत किया गया है.

प्रमाणित किया जाता है कि व्यवसायी का नाम राज्य होमियोपैथी रजिस्टर में चालू रखा गया है और तारीख ..... को  
प्रमाण-पत्र नवीकृत किया गया है/पुनः प्रविष्ट किया गया है.



इसके मुख्य व्यवस्थापक यहाँ रजिस्ट्रार के कार्यालय हैं तथा परिषद् भी मुद्रा लगाई गई है.

(मुद्रा)

भोपाल

रजिस्ट्रार

तारीख

मुद्रा

नवीकरण तारीख

रजिस्ट्रार

मुद्रा

परिषद् में रजिस्ट्रीकृत व्यवसायी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अपने निवासीय पते/व्यावसायिक पते में परिवर्तन, सरकारी सेवा में नियुक्ति, अतिरिक्त अर्हता, अर्जित करने के संबंध में परिषद् को तुरन्त सूचित करें. यदि वह नवीकरण रजिस्ट्रार में उसका नाम चालू रखने तथा राज्य होमियोपैथी रजिस्ट्रार में उसका नाम चालू रखने हेतु आवेदन करने में असफल रहता है तो उसका नाम सूचना के बिना राज्य होमियोपैथी रजिस्ट्रार में से हटा दिया जाएगा.

प्ररूप "ड"

[नियम 4 (1) देखिए]

नवीकरण हेतु आवेदन

पास पोर्ट  
फोटो

प्रति,

रजिस्ट्रार

मध्यप्रदेश राज्य होमियोपैथी परिषद्,

73, जोन-2, एम.पी.नगर,

भोपाल : 462011.

महोदय,

1. मध्यप्रदेश होमियोपैथी परिषद् अधिनियम, 1976 के उपबंधों के अधीन राज्य होमियोपैथी रजिस्ट्रार में मेरा नाम क्रमांक ..... पर प्रविष्ट किया गया है तथा मुझे रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक ..... जारी किया गया है. मेरा नाम उक्त रजिस्ट्रार में चालू रखने हेतु, मूल प्रमाण-पत्र तथा फीस रुपये 300/- नकद में बैंक ड्राफ्ट क्रमांक ..... (बैंक का नाम) ..... तथा तीन पास पोर्ट साइज के फोटो संलग्न हैं.

2. मैं नवीकरण तथा राज्य होमियोपैथी रजिस्ट्रार में अपना नाम चालू रखने हेतु आवेदन करने में असफल रहा हूँ. नवीकरण फीस रु. 300/ तथा अधिकतम रु. 300/- के अधधीन रहते हुए अतिरिक्त विलंब फीस रु. 50/- प्रतिमास कुल राशि रु. .... (बैंक का नाम) ..... नकद में बैंक ड्राफ्ट क्रमांक ..... के माध्यम से संलग्न है.

3. (1) आवेदक का नाम (हिन्दी में) .....

(अंग्रेजी में) .....

(2) पिता/पति का नाम

(3) व्यवसाय का स्थान

(4) जन्म तारीख

तारीख

मास

वर्ष

(अंग्रेजी कलेण्डर में)

(5) अर्हता

(क) सामान्य चिकित्सीय

(ख) अतिरिक्त अर्हता यदि जोड़ी गई हो.

(6) अर्हता अर्जित करने की तारीख तथा वर्ष

(7) विश्वविद्यालय/बोर्ड जहां से अर्हता अर्जित की गई

सामान्य

चिकित्सीय

(8) रजिस्ट्रीकरण क्रमांक तथा तारीख

(9) किसी आपराधिक या वक्तिक अवचार में न्यायालय द्वारा दंडित किया गया है.

मामला क्रमांक

दंड की प्रकृति

न्यायालय का नाम

(10) नवीकरण फीस

नकद

बैंक ड्राफ्ट क्रमांक

बैंक का नाम

त्रिलंब फीस

भास के लिए

रु. (कुल)

प्रमाणित किया जाता है कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान एवं अभिलेखों के आधार पर सत्य है. प्रमाण-पत्रों (टेस्टीमोनियल) को अनुप्रमाणित प्रतियां संलग्न हैं.

(आवेदक का नाम तथा हस्ताक्षर)

कार्यालय के उपयोग के लिए

प्रमाण-पत्र बना है कि, -

- (1) नवीकरण फीस रु. .... दिवस फीस रु. .... रसोद क्रमांक .....  
ताम्रपत्र ..... प्राप्त की गई.
- (2) आवेदन के साथ मूल प्रमाण-पत्र प्राप्त हो गया है.
- (3) नवीकरण की प्रविष्टि रजिस्टर के पृष्ठ क्रमांक ..... पर की गई है.

(प्रमाण-पत्र के हस्ताक्षर)

(रजिस्टर के हस्ताक्षर)

रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र, जावक क्र. .... तारीख ..... को रजिस्ट्रीकृत जावक द्वारा रजिस्ट्रीकरण  
क्रमांक ..... तारीख ..... से भेजा गया.

प्रेषक के हस्ताक्षर

प्ररूप "अ"

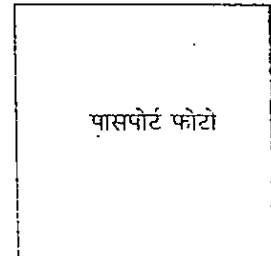
(नियम 6 देखिए)

मध्यप्रदेश होमियोपैथी परिषद् अधिनियम, 1976 की धारा 22 की उपधारा (1) के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए

आवेदन-पत्र का प्ररूप

प्रति,

रजिस्ट्रार,  
मध्य होमियोपैथी परिषद्,  
मध्यप्रदेश  
73, बॉन 2-एम. पी. नगर,  
भोपाल-462011.



महोदय,

निवेदन है कि मेरा नाम, मध्यप्रदेश होमियोपैथी परिषद् अधिनियम, 1976 के अधीन रखे गए राज्य होमियोपैथी रजिस्टर में प्रविष्ट किया  
जबकि मुझे रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाए, आवश्यक विशिष्टियां नीचे दी गई हैं :-

1. पुरा नाम (हिन्दी में) .....

(अंग्रेजी में) .....

- ( विवाहित महिला के मामले में विवाह के पूर्व का भी नाम)
2. पिता/पति का नाम (हिन्दी में) .....  
(अंग्रेजी में) .....
3. निवास स्थान का पता .....  
( मकान क्रमांक, मोहल्ला, डाकघर, ग्राम, जिला, पिनकोड क्रमांक)
4. सरकार में वृत्तिक नियुक्ति तथा धारित पद .....
5. वृत्तिक पता तथा कालावधि के साथ स्थान .....
6. जन्म तारीख, (अंग्रेजी कलेंडर में) .....
7. (क) (1) चिकित्सीय अर्हता (अधिनियम के अधीन) .....  
(2) तारीख जिसमें अर्जित की गई .....  
(3) विश्वविद्यालय/ बोर्ड जिसने प्रदान की .....  
(4) शिक्षा की कालावधि तथा स्थान .....
- (ख) चिकित्सा से भिन्न सामान्य .....  
(1) अर्हता .....  
(2) तारीख जिसको ऐसी अर्हता अर्जित की गई .....  
(3) विश्वविद्यालय/बोर्ड/संस्था .....  
(4) शिक्षा का स्थान तथा कालावधि .....
8. धारा 24 के अधीन अनंतिम रजिस्ट्रीकरण क्रमांक .....
9. संलग्न दस्तावेज .....  
(1) जन्म तारीख के लिए .....  
(2) डिप्लोमा/डिग्री .....

- (3) इन्टरशिप प्रमाण-पत्र
- (4) फीस रसीद
- (5) मूल अनंतिम रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र
- (6) वृत्तिक शपथ-पत्र

टिप्पण:—कृपया मेट्रिकुलेशन, हायर सेकेंडरी स्कूल प्रमाण-पत्र अर्हता संबंधी प्रमाण-पत्रों/दस्तावेजों की किसी मजिस्ट्रेट या राजपत्रित अधिकारी द्वारा सम्यक रूप से अनुप्रमाणित प्रतियां संलग्न करें किन्तु अनंतिम रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र मूल रूप से अनुप्रमाणित किया जाना चाहिए.

रजिस्ट्रीकरण हेतु रुपये 1500/- की अपेक्षित फीस/रेखांकित बैंक ड्राफ्ट/मनीआर्डर द्वारा/नगद भुगतान किया गया है कृपया रसीद क्रमांक. ....तारीख. ....देखिए.

मैं सत्यनिष्ठापूर्वक घोषित करता हूँ कि उपर्युक्त सभी प्रविष्टियां मेरे सर्वोत्तम ज्ञान तथा विश्वास के अनुसार सत्य हैं.

आवेदन-पत्र के साथ दो पासपोर्ट साइज के फोटो संलग्न हैं.

स्थान .....

भवदीय

तारीख .....

(आवेदक का नाम तथा हस्ताक्षर)

प्ररूप "छ"  
[नियम 7 (1) देखिए]

मध्यप्रदेश होमियोपैथी परिषद्

( मध्यप्रदेश होमियोपैथी परिषद् अधिनियम, 1976 की धारा 24 के अधीन अनन्तिम रजिस्ट्रीकरण हेतु आवेदन )

प्रति,

रजिस्ट्रार,  
राज्य होमियोपैथी परिषद्,  
73, जोन 2 एम. पो. नगर,  
भोपाल.

महोदय,

कृपया मेरा नाम, मध्यप्रदेश होमियोपैथी परिषद् अधिनियम, 1976 के अधीन रखे गए प्ररूप "ग" में राज्य होमियोपैथी रजिस्टर में प्रविष्ट किया जाय और मुझे अनंतिम रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाए.

1. पुरा नाम (हिन्दी में) .....
- (अंग्रेजी में) .....
- (विवाहित महिला को विवाह के पूर्व का भी नाम वर्णित करना चाहिए)
2. पिता/पति का नाम .....
3. निवास स्थान का पता .....
4. आयु तथा जन्म तारीख .....
5. शैक्षणिक अर्हता : — .....
- (क) अधिनियम के अधीन मान्यता प्राप्त चिकित्सीय अर्हता .....
- (ख) शैक्षणिक अर्हता .....
6. (क) तथा (ख) के अधीन परीक्षा उत्तीर्ण करने का वर्ष .....
7. संस्था/बोर्ड/परिषद्/विश्वविद्यालय जहां से उत्तीर्ण की है .....
8. होमियोपैथिक पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश का वर्ष तथा नामांकन क्रमांक .....

टिप्पण.— (1) होमियोपैथी पाठ्यक्रम परीक्षा की अन्तिम परीक्षा की अंकसूची, जन्म तारीख को दर्शाने वाले बोर्ड/विश्वविद्यालय, के प्रमाण पत्र को राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी द्वारा सम्यक रूप से अनुप्रमाणित प्रतियां.

(2) डाक प्रभार को सम्मिलित करते हुए अपेक्षित फीस रुपये..... के लिए लिखित बैंक ड्राफ्ट क्रमांक..... के माध्यम से प्रेषित की गई या रसीद क्रमांक..... तारीख..... द्वारा नगद दी गई.

स्थान .....

भवदीय

तारीख .....

आवेदक का नाम तथा हस्ताक्षर.

## कार्यालय मध्यप्रदेश होमियोपैथी परिषद् के उपयोग हेतु

को प्राप्त फीस/ रकम

नया आवेदन पूर्ण/अपूर्ण है और पूर्ण फीस प्राप्त की गई है.

रजिस्ट्रार का आदेश

भार साधक लिपिक के हस्ताक्षर

रजिस्ट्रार के हस्ताक्षर.

प्ररूप "ज"

[नियम 7 (3) देखिए]

राज्य होमियोपैथी परिषद् मध्यप्रदेश  
रजिस्ट्रीकरण की अनंतिम प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री /कुमारी/श्रीमती

पुत्र/ पुत्री/पत्नी.

निवासी

जिला.

को परीक्षा उत्तीर्ण करने पर मध्यप्रदेश होमियोपैथी परिषद् अधिनियम, 1976 की धारा 24 के अधीन अनंतिम रजिस्ट्रीकरण संचय प्रदान किया गया है. अनंतिम रजिस्ट्रीकरण रजिस्ट्रार के अनुसार उसका रजिस्ट्रीकरण क्रमांक. तारीख. है यह प्रमाण पत्र उसके प्रशिक्षण की कालावधि पूर्ण होने और/या राज्य होमियोपैथी परिषद् या विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दोक्षांत समारोह में अर्हता प्रदान किये जाने तक विधिमान्य रहेगा.

भोपाल

रजिस्ट्रार

तारीख

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
आर. के. स्वाई, अपर सचिव.

भोपाल, दिनांक 11 दिसम्बर 2000

क्र. एफ. - 16-84-98-पचपन-चिशि-2. — भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ. 16-84-98-पचपन-चिशि-2, दिनांक 11 दिसम्बर 2000 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
आर. के. स्वाई, अपर सचिव.

Bhopal, the 11th December 2000

No. F. 16-84-98-LV-ME-2.—In exercise of the powers conferred by clauses (k), (l), (o) and (q) of sub-section (2) of Section 51 read with Sections 21, 22, 26 and 48 of the Madhya Pradesh Homoeopathy Council Adhiniyam, 1976 (No. 19 of 1976), the State Government repeals the Madhya Pradesh Homoeopathy Council (Publication of Register and Appeal) Rules, 1976 and all amendment made thereafter and hereby substitutes the following rules, namely:—

RULES

Chapter I—Preliminary

1. **Short title.**—These rules may be called the Madhya Pradesh Homoeopathy Council (Publication of Register and Appeal) Rules, 2000.
2. **Definitions.**—In these rules, unless the context otherwise requires.—
  - (a) "Adhiniyam" means the Madhya Pradesh Homoeopathy Council Adhiniyam, 1976 (No. 19 of 1976);
  - (b) "Appendix" means the Appendix appended to these rules ;
  - (c) " Form" means the forms appended to these rules;
  - (d) "Section" means a Section of the Act;
  - (e) "Schedule" means the schedule appended to the Adhiniyam and Homoeopathy Central Council Act, 1973;
  - (f) "Year" means a calendar year.

Chapter II—Registration

3. **State Registers of Homoeopathy.**—The Registers under Section 21 shall be maintained in Form "A", "B" and "C".
  - (1) The Register for sub-section (1) of Section 22 shall be in Form "A" for persons who possess qualification mentioned in the Schedule of Adhiniyam.
  - (2) The Register for sub-section (2) of Section 22 Shall be in Form "B" for persons who were enrolled under Section 16 (2) of the Madhya Pradesh Homoeopathic and Biochemic Practitioners Act, 1951 repealed by the Madhya Pradesh Homoeopathy Parishad Adhiniyam, 1976 and who were entered in the register maintained under rule 3(1) of the Madhya Pradesh Homoeopathy Council (Publication of Register and Appeal) Rules, 1976.
  - (3) The Register for Section 24 shall be in Form "C" for persons required to undergo for training for a period specified in the recognised courses to pass the qualifying examination.
  - (4) The persons entered in the register maintained under the Madhya Pradesh Homoeopathy Council (Publication of Register and Appeal) Rules, 1976 shall be allotted new registration numbers in the sequential order in respective registers in Form "A" and "B" and certificate of Registration in Form "D" shall be issued.
  - (5) Each page of the Register shall be verified and signed by the Registrar.
4. **Verification and Renewal.**—(1) The Registrar shall verify the State Register of Homoeopathy after every five years and shall intimate for renewal to all such practitioners enrolled earlier than one year from the date of publication of these rules under section 22 of the Act, through a notification in atleast two State News papers, and send a letter of intimation alongwith an application in Form "E".
  - (2) Every person, within one year or on any other date fixed by the Council for the first time after publication of these rules and within 180 days from the expiry of five years of renewal, shall apply in Form "E" alongwith his certificate of registration, and pay the fee as specified in the Appendix.
  - (3) The Registration fee and other fees payable under these rules shall be such as specified in the Appendix.



(4) Every registration certificate renewed, shall be endorsed and its corresponding entry shall be made in the State Register of Homoeopathy, which shall be attested and signed by the Registrar. After verification of the entry, the certificate in Form "D" shall be sent to the person concerned through registered post.

(5) If any person fails to apply alongwith the fee as specified in the Appendix in accordance with sub-rule (2) his registration under section 22 of the Adhiniyam, shall be cancelled. He may apply for restoration of his name in Form "F" after paying the fee as specified in the Appendix.

5. **Publication of the Register.**—(1) the Registrar shall revise the register every five year and enter therein:—

- (a) the number of practitioners already registered;
- (b) the number of practitioners registered during the period of five years preceding the revision of the Register;
- (c) the number of practitioners whose names have been removed from the register during the period of five years preceding the revision of the Register stating the sub-section and Section of the Adhiniyam under which the names have been removed.
- (d) the number of practitioners whose names have been restored to the register during the period of five years preceding the revision of the register and
- (e) the number of practitioners whose names have been removed by reason of death during the period of five years preceding the revision of the register.

(2) The revised register shall be published in the Madhya Pradesh Gazette within 180 days after completion of the period of five years preceding the revision of the register and the registered practitioners adversely affected by the revision shall be informed of the adverse effects on them, by registered post.

(3) A copy of the register in accordance with rule 3 or the revised register, as the case may be, so published, shall be affixed on the notice-board of the Council.

(4) Printed copies of the register may be made available for sale at a price to be decided by the Council.

(5) The Registrar shall verify and authenticate all entries that may be made, altered or erased during each year.

6. **Application and fees for Registration** —The application for entry under sub-section (1) of Section 22 shall be in Form "F" and shall be accompanied by a receipt of payment of fee as specified in the appendix, and a true copy of certificate of recognised qualification duly attested by a Magistrate or a Gazetted Officer. The applicant may also enclose attested copies of such other certificates and documents in support of his application. The Registrar may require the applicant to furnish any other certificate/ document in original for verification.

7. **Provisional Registration.**—(1) No candidate after passing the qualifying examination shall be allowed to undergo training unless he has applied in Form "G" through the principal of the recognised institution in which the applicant has been asked to undergo training and paid the fees for Provisional registration.

(2) The provisional registration granted under section 24 of the Adhiniyam shall remain in force for a period not exceeding 6 months from the date on which the Council/University awarded diploma/degree to the successful candidate.

(3) The practitioner who has been granted the provisional registration in Form "H" after completion of training shall obtain his diploma/degree and submit its copy duly attested to the Registrar within 6 months fixed under sub-rule (2) for registration under Section 22 of the Adhiniyam.

(4) If any person fails to apply under sub-rule (3) within the time prescribed therein, he shall cease to be registered under clause (a) or (b) of Section 21 of the Adhiniyam and his name shall be removed from the State Register. On application for re-registration of his name, he shall be liable to pay late fee as specified in Appendix.

8. **Addition of qualification.**—Any persons who intimate to enter any additional qualification against his name may make an application alongwith the certificate and shall pay the fee as specified in the Appendix.

9. **Duplicate copy of Registration.**—An application for a duplicate copy of registration certificate shall be submitted to the Registrar accompanied by an affidavit showing cause for obtaining the duplicate copy and shall pay the fee as specified in the Appendix.

10. **Change of name or surname.**—Any practitioner willing to change his/her name or surname or address shall make an application alongwith proof for such change to the Registrar. and shall pay the fee as specified in the Appendix. The Registrar shall change the entry and inform the applicant in writing.

11. **Certificate of registration.**— The certificate of registration under sub-section (3) of Section 22 shall be in Form "D" and the provisional certificate of registration under Section 24 shall be in Form "H".

12. **Verification from outside State.**—Any person who holds recognised qualification from the State other than Madhya Pradesh, if applied for registration to the Council, shall be liable to pay the prescribed fee for verification. If the Council is asked for verification from other Council/ Board for granting registration, the Registrar shall verify such cases after receipt of the fee as specified in the Appendix.

13. **Manner of payment of fee.**—The fee required to be paid under these rules may be paid in cash/ money order or through Bank Draft payable to the Registrar.

### Chapter III—Appeals

14. **Memorandum of Appeal.**—(1) Every appeal under Section 48 of the Adhiniyam shall.

- (a) be filed within forty five days from the date of communication of the order against which the appeal is to be filed;
- (b) be accompanied by a satisfactory proof of payment of a fee specified in the Appendix;
- (c) apply in writing;
- (d) specify the name and address of the appellant;
- (e) specify the date of the order against which the appeal is to be filed;
- (f) specify the date on which the order was communicated to the appellant;
- (g) enclosed a statement of facts;
- (h) state precisely the relief prayed for k and;
- (i) be signed and verified by the appellant or an agent duly authorised by him in writing in this behalf in the following form, namely:—

"I.....the appellant named in the above memorandum of appeal do hereby declare that what is stated therein is true to the best of my knowledge and belief".

.....  
Signature



FORM " B "

[See Rule 3 (2)]

S. No.	Name with Father's/ Husband's name	Date of birth	Residential address	Qualification academic and medical	Registration No. & date	Re-entry u/s 22(2) and date	Registration under repealed Rules	Registration No. & date	Renewal Date	Reason for removal of name, date and Rule under which removed	Re-entry date	Signature of Registrar	Additional qualification and date	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)

FORM " C "

[See Rule 3 (3)]

S. No.	Name with Father's/ Husband's name	Date of birth	Residential address	Qualification academic & Medical	Year of passing	Name of Institution	Name of Board or University passing the Medical qualification	Provisional Registration No.	Date on which internship completed	Registration u/s 22	Date on which diploma/ degree issued	Signature of Registrar	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)

APPENDIX

[See Rule 4 (3)]

Fees payable to the Council for registration and other matters

S.No.	Particulars	Rate of fee	Rule No.
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Renewal fee	Rs. 300/-	4 (b)
2.	Renewal late fee	Rs. 50/- per month subject to maximum of Rs. 300/-	4 (e)
3.	Registration fee u/s 22	Rs. 1,500/-	6
4.	Registration fee u/s 24	Rs. 1,000/-	7 (1)
5.	Late fee for Registration u/s 22 from section 24.	Rs. 100/- per month subject to maximum of Rs. 500/-	7 (4)
6.	Fee for additional entry of qualification	Rs. 300/-	8
7.	Fee for duplicate copy of registration	Rs. 500/-	9
8.	Fee for change of surname or address	Rs. 200/-	10
9.	Verification fee	Rs. 500/-	12
10.	Appeal fee	Rs. 100/-	14 (b)

Note.—the prescribed fees are excluding the postal charges which shall be payable separately if asked by the Parishad.

FORM "D"

[See Rule 3(4)]

State Homoeopathy Council Madhya Pradesh

(SEAL)

Pass Port  
Photo

## CERTIFICATE OF REGISTRATION

REGISTRATION NO. .... DATE .....

CERTIFICATE is granted that Shri/Ku./ Shrimati .....  
 Son/Daughter/Wife of ..... Resident of .....  
 ..... District .....  
 of Madhya Pradesh has been duly registered as a registered Homoeopathic Practitioner under Section 22 of the Madhya Pradesh Homoeopathy Parishad Adhiniyam, 1976.

CERTIFIED that the name of the Practitioner has been continued in the State Register of Homoeopathy and the Certificate has been renewed on ...../re-entered.

In witness where of are herewith affixed the signature of the Registrar and Seal of the Council.

(Seal)

Registrar  
Seal

Bhopal :

Dated. ....

RENEWAL Date. ....

Registrar  
Seal

(The Practitioner registered with the Council is expected to inform immediately any change in his residential/professional address, appointment in Government Service, acquire additional qualification. The name from the State Register of Homoeopathy shall be removed without notice if failed to apply for renewal and continuation of name in the State Register of Homoeopathy).

FORM "E"

[See Rule 4 (1)]

## APPLICATION FOR RENEWAL

To,

The Registrar,  
 M.P. State Council of Homocopathy,  
 73, Zone-II, M.P. Nagar,  
 Bhopal- 462011.

Pass Port Size  
Photo

Sir,

My name is entered in the State Register of Homoeopathy under the provisions of M.P. Homoeopathy Parishad Adhiniyam, 1976 at No. .... and Registration Certificate bearing No. .... has been issued to me. For continuing my name in the said Register the certificate in original alongwith the fee Rs. 300/- in cash/Bank Draft No. .... (Name of Bank ..... and three pass part size photos are enclosed.

2. I have failed to apply for renewal and continuation of my name in the State Register of Homoeopathy, the renewal fee of Rs. 300/- and additional late fee of Rs. 50/- per month subject to be maximum of Rs. 300/- Total Rs. .... in cash/through Bank Draft No. .... (Name of Bank) .... are enclosed.

3. (1) Name of Applicant (In Hindi) .....
- (In English) .....
- (2) Name of Father/Husband .....
- (3) Place of practice .....
- (4) Date of Birth (In English Calander) .....
- Date ..... Month ..... Year .....
- (5) Qualification- (a) General Medical .....
- (b) Additional qualification if added. ....
- (6) Qualification acquired on date ..... Year .....
- (7) University/Board from-General where qualification acquired .....
- (8) Registration No. and date .....
- (9) Punished by Court in or professional Mis-conduct .....
- any criminal Case No. ....
- Nature of .....
- Punishment. ....
- Name of court. ....
- (10) Renewal fee in cash. ....
- Bank draft No. ....
- Name of Bank. ....
- Late fee. .... for month
- Rs. (Total). ....

Certified that the information furnished above is true to the best of my knowledge and records. The attested copies of testimonials are enclosed.

(Name of applicant and Signature)

## FOR OFFICE USE

Certified that—

- (1) The Renewal fee Rs. ....late fee Rs. ....  
 ..... R. No. ....Date. ....  
 .....has been received.
- (2) The certificate in original has been received with the application.
- (3) The entry of Renewal has been made on. ....(Page No.) in the Register.

(Signature of Incharge)

(Signature of Registrar)

The certificate of Registration has been sent vide D. No. ....Date. ....  
 by Registered post R. No. ....Date. ....

(Signature of Despatcher)

FORM "F"

(See Rule 6)

**Form of Application for Registration under sub-section (1) of Section 22 of the Madhya Pradesh  
 Homoeopathy Parishad Adhiniyam, 1976.**

To,

The Registrar,  
 State Council of Homoeopathy,  
 Madhya Pradesh,  
 73, Zone-II, M.P. Nagar,  
 BHOPAL-462011.

Pass Port Size  
 Photo

Sir,

I request that my name may be entered in the State Register of Homoeopathy maintained under the Madhya Pradesh, Homoeopathy Parishad Adhiniyam, 1976 and that I may be furnished with a Certificate of Registration necessary; particulars are given under.—

1. Full name (in Hindi) .....  
 (Maiden name (in English) .....  
 also in case of married  
 woman).
2. Father's/Husband's name (in Hindi) .....  
 (in English) .....

3. Residential address  
(House No., Mohalla, Post Office, Village,  
District, Pin Code No.)
4. Professional appointment in Government and  
post held.
5. Professional address and places with period.
6. Date of birth  
(In English Calander)
7. (A) (1) Medical Qualification (Under the Act).  
(2) Date on which acquired  
(3) University/Board which granted  
(4) Period of Education and place
- (B) General other than Medical—  
(1) Qualification  
(2) Date on which acquired  
(3) University/Board/Institution  
(4) Place of Education and period
8. The Provisional Registration No. U/s. 24
9. Documents enclosed—  
(1) For date of birth  
(2) Diploma/Degree  
(3) Certificate of Internship  
(4) Fee receipt  
(5) Original Provisional Registration  
Certificate.  
(6) Professional Affidavit

NOTE — Please attach the copies of certificates/documents of qualification matriculation/H. S. S. Certificate, duly attested by a Magistrate or a Gazetted officer but provisional registration certificate in original must be attested.

The requisite fee of Rs. 1,500/- for registration through crossed Bank Draft/M.O. in cash is paid. Please see Receipt No. .... Date .....

I solemnly declare that all the entries above are true to the best of my knowledge and belief. Enclosed two Pass Port Size photo with application form.

Place ..  
Date ..

Yours faithfully,

(Name and signature of applicant)



## FORM "G"

[See Rule 7 (1)]

## MADHYA PRADESH HOMOEOPATHY PARISHAD

(Application for provisional Registration under Section 24 of the Madhya Pradesh Homoeopathy Parishad Adhiniyam, 1976).

To,

The Registrar,  
State Council of Homoeopathy,  
73, Zone-II, M.P. Nagar,  
BHOPAL.

Sir,

Please enter my name in the register in Form "G" maintained under the Madhya Pradesh Homoeopathy Parishad Adhiniyam, 1976 and grant me the provisional registration certificate.

1. Full name (in Hindi) .....  
(Married woman must mention the  
parental name)                      In English: .....
2. Father's/Husband's name .....
3. Residential address .....
4. Age and date of birth .....
5. Educational qualification—  
(a) Medical qualification recognised under  
the Act. ....  
(b) Academic qualification .....
6. Year of passing the examination (a) (a) .....  
and (b) .....
7. Institution/Board/Council/University where  
from passed .....
8. Year of Admission in 1st year of .....  
Homoeopathic course and enrolment No. ....

**Note.—**(1) The copies of the Final Examination Mark Sheet of Homoeopathic Course Examination, the certificate of Board/University showing the date of birth duly attested by a Gazetted Officer of the State Government or the Central Government.

~~Handwritten scribble~~

2-~~Handwritten scribble~~.

(2) The required fee including the postage charges has been remitted through Bank Draft No. . . . . drawn on . . . . . for Rs. . . . . or paid in cash vide R. No. . . . . date . . . . .

Yours faithfully,

Date . . . . .  
Place . . . . .

(Name and signature of the applicant)

FOR USE OF THE OFFICE OF THE M.P. HOMOEOPATHY PARISHAD

Fee received on . . . . .

Amount . . . . .

Whether application is complete/incomplete and full fee received.

Order of the Registrar

Signature Incharge Clerk.

(Signature Registrar)

FORM "H"

[See Rule 7 (3)]

STATE COANCIL OF HOMOEOPATHY MADHYA PRADESH

Provisional Certificate of Registration

Certified that Shri/Ku./Smt. . . . .  
Son/daughter/wife of . . . . .  
Resident of . . . . . District . . . . . has been granted  
provisional registration under Section 24 of the Madhya Pradesh Homocopathy Courcil Adhiniyam, 1976 or  
passing the . . . . . examination. His/her registration number is Prov. No. . . . .  
dated . . . . . as per Provisional Registration Register. This certificate shall be valid till the  
completion of his/her training period and/or the qualification is conferred upon him at a convocation held by  
the State Council of Homocopathy or University.

Seal

Registrar

Bhopal :

Dated :

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,  
R. K. SWAI, Addl. Secy